KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

KHAN GLOBAL STUDIES

The Most Trusted Learning Platform

BIHAR SSC

(10+2) Level Batch

Hindi Medium

BALVEER SIR

जनजातिय आन्दोलन

आदिवासी आन्दोलन

प्रारम्भिक जातियाँ – जंगलो मे निवास

ईस्ट इण्डिया कम्पनी ⟹ अंग्रेज

शहरो — मजदुरो की समस्या

ग्रामीण ⇒ किसानो की समस्या

जंगलो ⇒ आदिवासीयो की समस्या

जमीदारो

आदिवासी / जनजातीय आन्दोलन के प्रमुख कारण :-

① सामाजिक कारण :- ① बाहरी लोगो के जंगल मे आगमन के कारण रीति रिवाज, प्रथाएँ, तौर-तरीको मे बदलाव आने लगे।

② ईसाई मिशनरीयो ने इन लोगो का धर्म परिवर्तन करवाना प्रारम्भ कर दिया।

* आर्थिक कारण :— ① स्थायी बन्दोबस्त

② रैय्यतवाड़ी प्रथा — 51%

③ महालवाड़ी प्रथा

1853 – भारत में रेलमार्गों का निर्माण आरम्भ

IMP

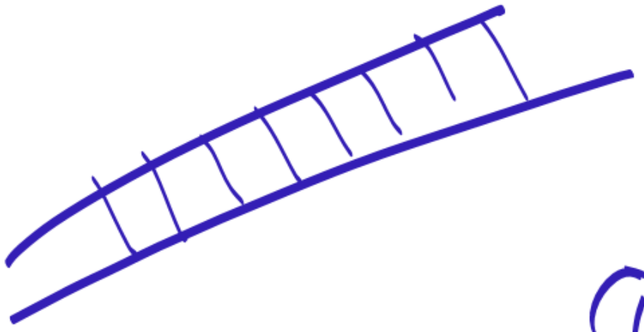

आदिवासी नाराज - कारण =>

1. जंगली क्षेत्र की जमीन पर अंग्रेजो ने कब्जा करना प्रारम्भ कर दिया।
2. पेड़ो की कटाई
3. बेगार (बिना वेतन के कार्य)

* दिकु :- जंगली क्षेत्र में आने वाले बाहरी लोगों को दिकु कहा जाता था

⇒ अंग्रेज ×

⇒ साहूकार

⇒ जमींदार

⇒ व्यापारी

⇒ ठेकेदार

① सन्यासी आन्दोलन :- (1763 - 1800 ई.)

स्थान :- बंगाल, बिहार

शंकराचार्य के अनुयायी थे

'गिरी' सम्प्रदाय के लोग थे

कारण :- प्रारम्भिक कारण :- तीर्थ यात्रा पर कर लगा दिया

IMP

सर्वप्रथम वंदे मातरम का नारा सन्यासी आन्दोलन मे लगाया गया।

बाद मे सन्यासी आन्दोलन कारण :-

① किसानो को जमीन से बेदखल

② सिपाहियो को विघटित कर दिया

सन्यासी आन्दोलन के प्रमुख नेता :-

① द्विजनारायण

② केना सरकार

IMP सन्यासी आन्दोलन का वर्णन ⇒ बंकिमचन्द्र चटर्जी

उपन्यास – आनन्द मठ

सन्यासी आन्दोलन को कुचलने वाला :- वारेन हेस्टिंग्स

* फकीर आन्दोलन (1776-1777)

आन्दोलन का केन्द्र :- बंगाल

नेता :- मजनुम शाह

शिष्य - चिराग अली शाह

उद्देश्य :- देवी चौधरानी व भवानी पाठक ने अपने उपन्यासों में किया।

* रंगपुर आन्दोलन (1783 ई.)

क्षेत्र :- बंगाल

ठेकेदार - देवीसिंह (गंगा गोविन्द सिंह) के विरुद्ध प्रारम्भ हो रहा है

कारण :- अत्यधिक लगान

विद्रोहियो ने लगान देने से मना कर दिया।

नेतृत्व :- ① नीरज नारायण

② गुरुदीन

TOPIC -

KHAN GLOBAL STUDIES

Most Trusted Learning Platform

THANKS FOR WATCHING